पुण्यास्रव कथाकोश (फोल्डर नं. ००१८२५)

श्री रामचन्द्र-मुमुक्षु विरचित

सम्पादक – ए. एन. उपाध्ये, प्रो. हीरालाल जैन, बालचन्द्र शास्त्री

मुख्य टाइटल

समर्पण

प्रस्तावना

विषयानुक्रमणिका

पूजाफल

कुसुमावती पुष्पलत्ता कथा ---------- १

महाराक्षस विधाधर कथा ----------२

श्रेष्ठि नागदत्तरचर मण्डूक कथा ----------३

पूरोहितपुत्री प्रभावती कथा ---------- ४

भूषणवैश्य कथा ---------- १४

धनदत्तगोपाल कथा ---------- २०

वज्रजन्त चक्रवर्ती कथा ---------- २९

श्रेणिक राजा कथा ---------- २९

पंच नमस्कारपद फल

वृषभचर सुग्रीव कथा ---------- ६१

मर्कटचर सुप्रतिष्ठितमुनि कथा ---------- ६३

विन्ध्यकीर्तिपुत्री विजयश्री कथा ---------- ६४

वाग्वलिचर अज व रसदग्धवणिक कथा---------- ६५

सर्प सर्पिणीचर धरणेन्द्र पद्मावती कथा ---------- ७५

भूतपूर्व हस्तिनी सीता कथा ----------८१

दृढसूर्य चोर कथा ---------- ८२

सुभग गोपालचर सुदर्शन सेठ कथा ---------- ८४

श्रुतोपयोग फल

भूतपूर्व हरिण वालिमुनि कथा ---------- ९६

भूतपूर्व हंस प्रभामण्डल कथा ---------- ९९

यममुनि कथा ---------- १०४

सूर्यमित्र द्विज व चाण्डालपुत्री कथा ---------- १०६

विधुद्वेग चोर (भीमकेवली) कथा ---------- १२८

नन्दीश्वर देव (भूतपूर्व चाण्डाल) कथा ---------- १३२

सहदेवीचर व्याघ्री कथा ---------- १३४

शील फल

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जयकुमार सुलोचना कथा ---------- १३७
कुबेरप्रिय सेठ कथा ---------- १३९
जनकपुत्री सीता कथा ---------- १४४
राज्ञी प्रभावती कथा ---------- १५३
वज्रकर्ण कथा ---------- १५५
वणिकपुत्री नीली कथा ---------- १५७
अहिंसाणुव्रती चाण्डाल कथा ---------- १५९
उपवास फल
वैश्यनागदत्तचर नागकुमार कथा ---------- १६२
भविष्यदत्त वैश्य कथा ---------- १८६
धनमित्रपुत्री दुर्गन्धा व दुर्गन्धकुमार कथा ---------- १९८
नन्दिमित्र कथा---------- २१५
जाम्बवती कथा ---------- २३०
ललितघट श्रीवर्धन कुमारादि कथा ---------- २३१
चण्ड चाण्डाल कथा ---------- २३३
दान फल
श्रीषेण राजा कथा ---------- २३५
वज्रजंघ राजा कथा ---------- २३८
कबूतर युगल व कुबेरकान्त सेठ कथा ---------- २८३
सुकेतु सेठ कथा ---------- २९५
आरम्भक द्विज कथा---------- ३०१
विप्र ईन्धक पल्लव (नल नील) कथा ---------- ३०३
विप्रपुत्र वसुदेव सुदेव कथा ---------- ३०४
धारण राजा (दशरथ) कथा ---------- ३०७
भामण्डस कथा ---------- ३०९
ग्रामकूटपुत्री यक्षदेवी कथा ---------- ३१०
रुद्रदास पत्नी विनयश्री कथा ----------३११
वैश्यपत्नी नन्दा (गौरी) कथा ---------- ३१२
राजपुत्री विनयश्री कथा ---------- ३१३
अकृतपुण्य (धन्यकुमार) कथा---------- ३१५
अग्निला ब्राह्मणी कथा ---------- ३३०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org